एमनेस्टी इंटरनेशनल

प्रेस विज्ञप्ति
1 जुलाई 2010

नये एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुखिया ने सरकारों से दुनिया भर में सर्वाधिक खतरे में जीने वालों के मानवाधिकारों का सम्मान करने को कहा।

(लंदन) एमनेस्टी इंटरनेशनल के नये महासचिव सलिल शेट्टी ने अपने कार्यालय में आज पहला पूरा दिन बिताया और दुनिया के सबसे गरीब एवं सर्वाधिक जोखिम उठा रहे लोगों एवं समुदायों के मानवाधिकारों के सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए सरकारों से हर संभव बातचीत करने की शपथ ली।

सलिल शेट्टी ने कहा कि ''दमन और अन्याय को खत्म करने के संघर्ष में जारी आंदोलन का नेतृत्व संभालने के इस अवसर पर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। दुनिया में मौजूद मानवाधिकारों की आम चुनौतियों और कई नई तरह की चुनौतियो के दौर में मानवाधिकारों के दमन के खिलाफ उठी एक प्रमुख आवाज के तौर पर एमनेस्टी इंटरनेशनल की जरूरत आज पहले से अधिक है।''

निर्धनता एवं मानवाधिकारों के जाने–माने विशेषज्ञ सलिल शेट्टी ने जोर दिया कि निर्धनता खत्म करने के प्रयासों में सरकारें मानवाधिकारों को प्रमुख स्थान दें और इसे सुनिश्चित करने की आवश्यकता को समझें। इसी सितम्बर में सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्य (एमडीजी) को लेकर हुई प्रगति की समीक्षा के लिए सारी दुनिया के नेता गण न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में मिलने वाले हैं। गौरतलब है कि सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्य (एमडीजी) निर्धनता खत्म करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख वैश्विक पहलकदमी है।

सलिल शेट्टी ने एमनेस्टी इंटरनेशनल के दुनिया भर में फैले 28 लाख समर्थकों की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की, जो मानवाधिकारों की रक्षा के अभियान में डटे हुए हैं।

सलिल शेट्टी ने बताया कि ''जहां कहीं भी मैं गया, एमनेस्टी इंटरनेशनल के मजबूत जमीनी आधार, उच्च गुणवत्ता वाले शोध और धारदार एवं असरदार अभियान के कारण इसके प्रति लोगों में गहरा सम्मान पाया।

अपनी प्राथमिकताओं को गिनाते हुए सलिल शेट्टी ने एमनेस्टी इंटरनेशनल की अंदरुनी ताकत को मजबूत करने की अपनी सोच के बारे में जिक्र किया। उन्होंने अगले अभियानों की जरूरत पर रोशनी डाली, जो मानवाधिकारों के हनन के प्रति जवाबदेही की प्रक्रिया को मजबूत करें और जिम्मेवार लोगों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत लायें।

उनकी कारवाई के अगले क्षेत्र गैर–कानूनी हिरासत, फांसी की सजा और भेदभाव को समाप्त करने के लिए नये प्रयास तथा प्रवासी अधिकारों की रक्षा हैं।

नये महासचिव ने सभी अधिकारों के अविभाज्य होने पर जोर दिया और कहा कि आज नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों के साथ आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों को पहले से बेहतर व व्यवस्थित तरीके से जोड़ने के नये रास्तों को तलाशने की जरूरत है।

पिछले 6 वर्षों तक सलिल संयुक्त राष्ट्र के सहस्त्राब्दि अभियान के निदेशक रहे हैं, जो एक निर्धनता विरोधी अभियान है और यह अभियान भूख, बीमारी एवं निरक्षरता के खिलाफ लड़ाई में सरकारों से पहले से अधिक जवाबदेही की मांग करता है। सहस्त्राब्दि अभियान के जरिये शेट्टी ने सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्य (एमडीजी) को हासिल करने के लिए नागरिक समाज, मीडिया, निजी क्षेत्र और स्थानीय सरकारों से भरोसेमंद सहयोग जुटाया।

——————

संपादकों के लिए संदेश:

अन्य जानकारी के लिए कृपया एमनेस्टी इंटरनेशनल प्रेस कार्यालय में टॉम मैकी से संपर्क करें:

+44 207 413 5810   tom.mackey@amnesty.org

एमनेस्टी इंटरनेशनल 150 से अधिक देशों में 28 लाख समर्थकों, सदस्यों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का वैश्विक अभियान है, जो व्यापक एवं गंभीर मायने में हो रहे मानवाधिकार हनन के मामलों को खत्म करने के लिए अभियान चलाता है। हमारी सोच है कि हर व्यक्ति को मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानदंड़ों में व्यक्त सभी अधिकार हासिल हों। हम किसी भी सरकार, राजनीतिक विचारधारा, आर्थिक हित, धर्म से मुक्त हैं और मुख्य तौर पर हम अपने सदस्यों एवं जनता से मिले वित्तीय सहयोग से अपना फंड जुटाते हैं।